भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-27

उत्तर देने की तारीख-04/12/2023

परख

†27. श्री विनोद कुमार सोनकर:
श्री भोला सिंहः
डॉ. सुकान्त मजूमदार:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने समग्र विकास के लिए ज्ञान के निष्पादन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) की स्थापना करने का प्रस्ताव किया है ताकि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) और राज्य उपलब्धि सर्वेक्षण की तरह आवधिक परीक्षाओं की प्रक्रिया का निरीक्षण और उनका आयोजन किया जा सके;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अंतर्गत नई मूल्यांकन पद्धति और नवीनतम अनुसंधान के संबंध में स्कूल बोर्डों को सलाह देने और उनके बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मानक-निर्धारण निकाय विकसित करने के लिए 'परख' शुरू किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार द्वारा टीओईएफएल और जीआरई जैसे प्रमुख परीक्षा करने वाले ईटीएस को विनियामक प्लेटफॉर्म गठित करने के लिए चुना गया है;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(च) क्या भौगोलिक अंतर और बहु-भाषाओं के कारण विविध स्कूली शिक्षा प्रणाली होने के बावजूद 'परख' 36 राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के बोर्डों में मूल्यांकन में एकरूपता लाने में सक्षम होगा; और
(छ) सरकार द्वारा इस संबंध में अन्य क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (छ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के पैरा 4.41 में "शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के तहत एक मानक-निर्धारक निकाय के रूप में राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख (समग्र विकास के

लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण) की स्थापना की परिकल्पना की गई है जो इस नीति के उल्लिखित उद्देश्यों के अनुरूप भारत के सभी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्डों के लिए छात्रों के आकलन एवं मूल्यांकन के लिए मानदंडों, मानकों और दिशानिर्देशों को स्थपित करने के मूल उद्देश्यों को पूरा करें, राज्य उपलब्धि सर्वेक्षण (एसएएस) का मार्गदर्शन और राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) करें, देश में अधिगम परिणामों की प्राप्ति की निगरानी और 21वीं सदी की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में अपने मूल्यांकन पैटर्न में बदलाव लाने हेतु स्कूल बोर्डों को प्रोत्साहित और उनकी सहायता करें। यह केंद्र स्कूल बोर्डों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देने, नए मूल्यांकन पैटर्न और नवीनतम शोधों के संबंध में स्कूल बोर्डों को सलाह भी देगा। यह स्कूल बोर्डों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और सभी स्कूल बोर्डों में शिक्षार्थियों के बीच शैक्षणिक मानकों की समानता सुनिश्चित करने का एक साधन भी बन जाएगा।" राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख (समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण) को एनसीईआरटी में एक स्वतंत्र घटक इकाई के रूप में 8 फरवरी, 2023 की एनसीईआरटी की अधिसूचना संख्या 1-4/2012-ईसी/101-164 के माध्यम से स्थापित किया गया था, ताकि एनईपी, 2020 के पैरा 4.41 द्वारा अधिदेशित अन्य कार्यों के साथ-साथ मानदंडों, मानकों, दिशानिर्देशों को निर्धारित करने और छात्र मूल्यांकन से संबंधित गतिविधियों को लागू करने के बुनियादी उद्देश्यों को पूरा किया जा सके। परख की स्थापना और संचालन में सहायता के लिए एनसीईआरटी द्वारा शैक्षिक परीक्षण सेवाओं (ईटीएस) को हायर (Hire) किया गया है।

परख ने राज्य शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण 2023 शुरू किया है, जो सभी बोर्डों में समानता पर एक अध्ययन है और एनईपी 2020 में उल्लिखित सभी चार चरणों: बुनियादी, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक चरणों के लिए समग्र प्रगति कार्ड के विकास में सक्रिय रूप से शामिल है।

*****